माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

नवीन ब्लूप्रिन्ट आधारित
आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 10वीं

हिन्दी विशिष्ट
2008–2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– X **परीक्षा : हाईस्कूल** **पूर्णांक :– 100**

विषय :– हिन्दी विशिष्ट **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्य साहित्य का विकास, कवि परिचय, व्याख्या, सौन्दर्य बोध, भाव एवं विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न।	27	5	3	2	–	5
2.	**गद्य खण्ड –** गद्य की विधाएँ, लेखक परिचय, व्याख्या, विषय वस्तु एवं विचार बोध पर प्रश्न।	23	5	2	2	–	4
3.	**सहायक वाचन –** विविध पाठों पर आधारित प्रश्न	10	5	–	1	–	1
4.	**भाषा बोध –** संधि, समास – भेद सहित, वाक्य के प्रकार (अर्थ के आधार पर) वाक्य परिवर्तन, अनेक शब्द के लिये एक शब्द	10	5	–	1	–	1
5.	**काव्य बोध –** काव्य की परिभाषा भेद – मुक्तक काव्य, प्रबंध काव्य (महाकाव्य खण्ड काव्य) **रस–**परिभाषा, अंग भेद, उदा0 **अंलकार–**वक्रोक्ति, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति **छन्द –** गीतिका, हरिगीतिका, उल्लाला, रोला	10	5	–	1	–	1
6.	**अपठित बोध –**	05	–	–	1	–	1
7.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
8.	**निबन्ध लेखन –**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**05**	**09**	**01**	**15+5=20**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प का चयन तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1X 5 = 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोटः– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) शेष इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न – पत्र – 2009
Class - Xth
विषय – हिन्दी विशिष्ट

समय 3 घण्टे **पूर्णांक – 100**

निर्देश –

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।**
3. **आरंभ में दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।**
4. **प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। प्रत्येक के लिए (5x5 = 25) एक–एक अंक निर्धारित है।**
5. **प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक के लिए चार–चार अंक निर्धारित है।**
6. **प्रश्न क्रमांक 11 से 19 तक के लिए पाँच अंक निर्धारित है।**
7. **प्रश्न क्रमांक 20 के लिए दस अंक निर्धारित हैं।**

प्रश्न 1. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए –** **5**

1) कवि नागार्जुन ने बादलों को ..... पर घिरते देखा है।
(हिमालय / नदी तट)

2) 'पहली चूक' निबन्ध ..... शैली में लिखा गया है।
(व्यंग्य / व्यास)

3) 'रिपोर्ताज' मूल रूप से ..... भाषा का शब्द है।
(अंग्रेजी / फ्रेंच)

4) शल्य चिकित्सा के प्रवर्तक ..... माने जाते हैं।
(चरक /सुश्रुत)

5) कवि भूषण ..... के प्रमुख कवि माने जाते हैं।
(वीरगाथा / रीतिकाल)

प्रश्न 2. **निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनिए –** **5**

1) लेखक ने रामनारायण उपाध्याय ने संगीत का जनम माना है?

(1) सरगम से (2) श्रम से

(3) वाद्य यन्त्र से (4) गायक से

2) 'निराशा' शब्द की संधि–विच्छेद होगी –

(1) निर + आशा (2) निः + आशा

(3) नी + आशा (4) निरा + आशा

3) 'ऊँची दुकान फीके पकवान' में ऊँची दुकान का अर्थ है –

(1) पहाड़ी पर बनी दुकान (2) पहली मंजिल पर बनी दुकान

(3) प्रसिद्ध दुकान (4) नाम के विपरीत गुण

4) कवि गिरधर ने पाठ्यपुस्तक में संकलित अपनी रचना में किस छंद का प्रयोग किया है –

(1) दोहा (2) चौपाई

(3) कवित्त (4) कुण्डलियाँ

5) मानव को मानव किसने बनाया –

(1) गेहूँ ने (2) गुलाब ने

(3) ज्ञान ने (4) भूख ने

प्रश्न 3. निम्न वाक्यों में सत्य / असत्य छाँटिए – **5**

1) महाकाव्य प्रबन्ध काव्य का ही एक रूप है।

2) समास में पदों / शब्दों के प्रत्यय का लोप हो जाता है।

3) उच्च कुल में जन्म लेने से ही व्यक्ति ऊँचा हो जाता है।

4) दुर्योधन ने कृष्ण की सलाह पर कुछ भूमि पाण्डवों को देना स्वीकार किया।

5) 'मातृभूमि का मान' एकांकी की पृष्ठभूमि आधुनिक है।

प्रश्न 4. निम्न वाक्यांशों को सही जोड़ी मिलान कर पूर्ण कीजिए – **5**

1) अमरकंटक की केन्द्रीय सत्ता .....अतिशयोक्ति

2) रवीन्द्रनाथ जी ने विद्यालय की स्थापना की ..... मनोभाव

3) बढ़ा–चढ़ा कर वर्णन किया जाता है ..... शांति निकेतन

4) मन के भाव कहलाते हैं ..... पंजाब केसरी

5) लाला लाजपतराय कहलाते थे, ... नर्मदा ही है

प्रश्न 5. निम्न प्रश्नों का एक वाक्य अथवा एक शब्द में उत्तर दीजिए – **5**

1) जयशंकर प्रसाद रचित 'श्रृद्धा' काव्यांश किस महाकाव्य से लिया गया है?

2) संचारी भावों की संख्या कितनी है?

3) मातृभाषा हम किससे सीखते है?

4) जिन वाक्यों में आज्ञा या अनुमति देने का बोध हो वे वाक्य क्या कहलाते है?

5) मानव जीवन कब सार्थक होता है?

प्रश्न 6. सूर के अनुसार निर्गुण और सगुण व्यक्ति में क्या अंतर है? **4**

(अथवा)

नई और पूरानी सभ्यता में कवि ने क्या अंतर बताया है?

प्रश्न 7. 'जाग तुझको दूर जाना कविता में कवयित्री का क्या आशय छिपा है? लिखिए। **4**

(अथवा)

'उदबोधन' कविता के माध्यम से कवि ने स्वतन्त्रता प्रेमी जाति के किन गुणों का वर्णन किया है?

प्रश्न 8. रीतिकाल की कोई तीन विशेषताएँ बताते हुए दो प्रमुख रीतिकालीन कवियों के नाम लिखिए। **4**

(अथवा)

छायावाद की कोई दो विशेषताएँ दो कवि और उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 9. 'रिपोर्ताज' किसे कहते हैं? इसकी कोई दो विशेषताएँ लिखिए **4**

(अथवा)

नाटक–एकांकी में कोई तीन अंतर बताते हुए दोनों विधाओं की एक–एक रचना का नाम लिखिए

प्रश्न 10. देश के शक्तिबोध को कैसे चोट लगती है? **4**

(अथवा)

पुरूषोत्तम के सम्मुख कौन सा धर्म संकट उपस्थित हुआ?

प्रश्न 11. निन्दा की प्रवत्ति से बचने के लिए क्या करना चाहिए? **5**

(अथवा)

साध्वी निवेदिता भारतीय स्त्रियों के कौन–कौन से गुणों से प्रभावित हुई?

प्रश्न 12. अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **5**

(अथवा)

रोला छंद के लक्षण लिखते, हुए उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 13. (अ) निम्न लिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में सटीक प्रयोग कीजिए। (कोई तीन) **5**

(1) अक्ल का दुश्मन (2) आँख का कांटा

(3) आँख लगना (4) घड़ों पानी पड़ना

(ब) मुक्तक काव्य किसे कहते है।

(अथवा)

(अ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

(1) उसने संतोष का सांस लिया। (2) मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।

(3) कृपया तीन दिन का अवकाश देने की कृपा करें।

(ब) वीर रस पर आधारित चार पंक्तियाँ लिखिए।

प्रश्न 14. प्रेमचन्द्र **अथवा** वासुदेव शरण अग्रवाल का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए– **5**

(1) दो रचनाएँ (2) भाषा–शैली (3) साहित्य में स्थान

प्रश्न 15. बिहारी **अथवा** रामधारीसिंह 'दिनकर' की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए– **5**

(1) दो रचनाएँ (2) भावपक्ष–कलापक्ष (3) साहित्य में स्थान

प्रश्न 16. निम्न लिखित में से किसी एक पद्यांश की प्रसंग–संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – **5**

(1) मेरे ख्याल इतने खूबसूरत नहीं हैं
जिनको मैं फूलों सी खूबसूरत तुम्हारी पलकों को
छुआ दूँ और ये तुम्हारे लिए
खूबसूरत सपने बन जाएँ।
ये ख्याल इन दुनियादारी की
लपटों में झुलस गए हैं।

(2) बाँध लेंगे क्या तुझे ये मोम के बंधन सजीले?
पन्थ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीले?
विश्व का क्रन्दन भुला देगी, मधुप की मधुर गुन–गुन
क्या डुबों देंगे तुझे यह फूल के दल ओस गीले?

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की प्रसंग–संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – **5**

(1) आधुनिकता 'सम्प्रदाय' का विरोध करती है, क्योंकि आधुनिकता गतिशील प्रक्रिया है 'सम्प्रदाय' स्थिति संरक्षक। परंतु परम्परा से आधुनिकता का विरोध नहीं होता। दोनों ही गतिशील प्रक्रियाएँ है। दोनों में अंतर केवल यह है कि परम्परा यात्रा के बीच पड़ा हुआ अंतिम चरण है, जबकि आधुनिकता आगे बढ़ा हुआ गतिशील कदम है।

(2) कृष्ण भारतवर्ष के लिए एक अमूल्य निधि हैं। वे हमारी राष्ट्रीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि हैं। जिस प्रकार पूर्व और

पश्चिम के समूहों के बीच प्रदेश को व्याप्त करके गिरिराज हिमालय पृथ्वी के मानदण्ड की तरह स्थित है, उसी प्रकार ब्रहम्धर्म और क्षात्रधर्म इन दो मर्यादाओं के बीच की उच्चता को व्याप्त करके श्रीकृष्ण चरित्र पूर्ण मानवी विकास के मानदण्ड की तरह स्थित है।

प्रश्न 18. अपठित गंद्याश – **5**

प्रकृति और मनुष्य का संबंध ऐतिहासिक दृष्टि से काफी बाद शुरू हुआ, क्योंकि प्रकृति पहले से थी मनुष्य बाद में आया। मनुष्य आज भी प्रकृति पुत्र है तथा प्रकृति के नियमों में बँधा हुआ है। इसके बावजूद मनुष्य की चेष्टा प्रकृति को नियन्त्रण में करने की चल रही है। वह अपने ज्ञान–विज्ञान से प्रकृति को वश में कर लेना चाहता है। पर जिसे हम 'मनुष्य की जयगाथा' कहकर पुलकित हो रहे हैं, वह असल में उसकी पराजय और दुर्गति की यहाँ तक कि उसके आत्महनन की गाथा है।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर दीजिए –

(1) उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक दीजिए

(2) उपर्युक्त गद्यांश का सार लिखिए

(3) मनुष्य प्रकृति को किस प्रकार वश में कर रहा है।

प्रश्न 19. अपने मित्र को उसके परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई–पत्र लिखिए। **5**

(अथवा)

अपने प्राचार्य को पत्र लिखकर खेलों के सामान की समुचित व्यवस्था करने का आग्रह कीजिए।

प्रश्न 20. निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए– **10**

(1) बिन पानी सब सून

(2) मेरे सपनों का भारत

(3) जीवन में कम्प्यूटर का महत्व

(4) लड़का–लड़की एक समान

(5) एक अविस्मरणीय यात्रा

––//––

आदर्श उत्तर
Class - Xth
विषय – हिन्दी विशिष्ट

समय –3 घण्टे **पूर्णांक – 100**

उत्तर 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति – **5**

(1) हिमालय (2) व्यंग्य (3) फ्रेंच

(4) सुश्रृतु (5) रीतिकाल

उत्तर 2. कथनों के लिये सही विकल्प का चयन – **5**

(1) श्रम (2) निआशा (3) नाम के विपरीतगुण

(4) कुण्डलियाँ (5) गुलाब ने

उत्तर 3. वाक्यों में सत्य/असत्य का चिन्ह – **5**

(1) सत्य (2) सत्य (3) असत्य

(4) असत्य (5) असत्य

उत्तर 4. सही जोड़ी मिलान – **5**

(1) नर्मदा ही है (2) शांति निकेतन (3) अतिशयोक्ति

(4) मनोभाव (5) पंजाब केसरी

उत्तर 5. एक शब्द अथवा वाक्य में उत्तर – **5**

(1) कामायनी (2) 33 संचारी भाव है (3) माता से सीखा

(4) आज्ञावाचक (5) दीप की तरह जलकर

उत्तर 6. सूर के अनुसार निराकार ईश्वर जो कि मन और वाणी से अगम और अगोचर है उसको जान सकना सभी के लिए संभव नहीं है। ईश्वर को पाने के लिए सगुण स्वरूप का आलंबन आवश्यक है। रूप रेखा, गुण, जाति आदि की पहचान हुये बिना भक्त ईश्वर को पाने को भटकता ही रहता है। ये सभी गुण ईश्वर को पाने का आधार बन जाते है इसलिए **4**

सूर ने सगुण उपासना को श्रेष्ठ बताया है।

(अथवा)

कवि ने ''नयी सभ्यता'' कविता के माध्यम से हमारी उन दृढ़ परम्पराओं की ओर संकेत किया है जो हमारे परिवार समाज और देश की पहचान थी उन परम्पराओं को उन आस्थाओं को तोड़ना या बदलना मुश्किल था, किन्तु आज जिन नवीन भावबोधों को आधुनिकता के नाम पर हम अपना रहे हैं हमारी सभ्यता और संस्कृति को खोखला कर दिया है। विदेशी सभ्यता का प्रभाव हमारी जीवन–शैली पर हावी हो गया है।

उत्तर 7. जागृ तुझको दूर जाना कविता के माध्यम से कवयित्री ने युवा शक्ति को प्रेरणा देते हुए कहा है उन्हें जीवन लक्ष्य प्राप्त करने में निरन्तर कर्मशील और गतिशील रहना है जिसमें विश्राम की आवश्यकता नहीं है। घोर वर्षा हो या अंधकार हो, बिजलियाँ हो या प्रलय भी हो उसे प्रयास नहीं छोड़ना है। पारिवारिक या सांसारिक आर्कषण उसका रास्ता नहीं रोक सकते। उसको मोहनिद्रा, आलस्य–निद्रा से जागकर जीवन पथ पर बढ़ते जाना है। **4**

(अथवा)

'उद्रबोधन' कविता में स्वतन्त्रता से प्रेम करने वाले वीरों के लिए कवि ने लिखा है कि स्वतंत्रता लगन और धुन से ही प्राप्त की जा सकती है। स्वतंत्रता से प्रेम सिखाया या थोपा नहीं जा सकता स्वतंत्रता प्रेमी तो वे वीर होते है जो झुके बिना निरन्तर आधात सहकर भी अपनी स्वतंत्रता की चाह को मिटा नहीं पाते। चरण वंदना की अपेक्षा वीर गति को पाना अधिक पसंद करते है।

उत्तर 8. रीतिकाल की विशेषताएँ **4**

श्रृंगार–परकता, रीतिग्रंथों की रचना, बृज–भाषा का प्रयोग, दरबारी कवि, षट्त्रऋतु वर्णन, विभिन्न छंदों का प्रयोग,साहित्यिक प्रवृत्ति,

अलंकारों की अधिकता कला–पक्ष का परिष्कृत रूप आदि।

प्रमुख कवि

केशवदास, सेनापति, देव, पद्माकर, बिहारी, धनानंद आदि।

(अथवा)

छायावाद की विशेषताएँ :–व्यक्तिवाद की प्रधानता, श्रृंगार भावना, प्रकृति का मानवीकरण, सौदर्य अनुभूति, वेदना एवं करूणा, अज्ञात–सत्ता के प्रति प्रेम, नारी के प्रति नवीन भावना, जीवन दर्शन, अभिव्यंजना शैली।

प्रमुख कवि	**रचनाएँ**
जयशंकर प्रसाद	–– झरना, आँसू, लहर, कामायनी
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	–– परिमल, गीतिका, अनामिका
सुमित्रानंदन पंत	–– पल्लव, ग्रंथि, वीणा, गुंजन,
महादेवी वर्मा	–– यामा, नीरजा, रश्मि, नीहार, सांध्यगीत।

उत्तर 9. रिपोर्ताज – किसी विषय का तथ्या–तथ्य विवरण–रिपोर्ट कहलाता है और रिपोर्ट का ही कलात्मक और साहित्यिक रूप होता है रिपोतार्ज। रिपोर्ताज में सत्य घटना के वर्णन में प्रखात्मकता के साथ–साथ सरसता और रोचकता होना आवश्यक है। **4**

विशेषताएँ

(1) रोचक एवं भावात्मक चित्रण

(2) अन्तरंग अनुभव के साथ वर्णन

(अथवा)

नाटक और एकांकी में अन्तर –

नाटक –

(1) नाटक में अनेक अंक हो सकते हैं।

(2) नाटक में अधिकाधिक कथा के साथ सहायक और गौण कथाएँ भी होती है।

(3) नाटक में चरित्र का क्रमशः विकास दिखया जाता है।

(4) कथानक की विकास प्रक्रिया धीमी रहती है।

(5) नाटक के कथानक में फैलाव और विस्तार होता है।

एकांकी –

(1) एकांकी में एक अंक होता है।

(2) एकांकी में एक ही कथा घटना होती है।

(3) एकांकी में पात्रों के क्रियाकलापों और चरित्रों का संयोजन इस रूप होता है कि एकांकी होते हुए भी समूचे व्यक्तिव का समूचा बिम्व मिल जाए।

(4) कथानक आरम्भ से ही चरम लक्ष्य की ओर दुत गति से बढ़ता है।

(5) एकांकी के कथानक में फैलाव और विस्तार सीमित होता है।

उत्तर 10. देश के शक्ति बोध को चोट तब पहुँचती है जब इसी देश के रहने वाले इसी देश से पोषण पाने वाले इसी भूमि पर जन्म लेने वाले और इसी तंत्र के अंग होते हुए भी कुछ लोग सार्वजनिक स्थलों पर, सामूहिक रूप से देश की निन्दा करते है। उसकी कमियों की कमजोरियों की, गडबड़ियों की, दूसरों के सामने चर्चा करते नहीं थकते उनकी सही अज्ञानता देश के सामूहिक मानसिक बल का ह्रास करती हैं। इससे देश की तुलना में स्वयं के देश को तुच्छ ठहराने का प्रयास देश को मानसिक रूप से कमजोर बनाता है। लेखक के अनुसार यही देश के सामूहिक मानसिक बल का ह्रास है। **4**

(अथवा)

पुरूषोतम के सम्मुख एक ओर तो शरणागत की रक्षा और दूसरी ओर जीवन भर का आचार व्यवहार दोनों में से किसी एक का पालन करने

की समस्या सामने आयी। शिवाजी के पुत्र संभाजी की रक्षा करना, शरणागत की रक्षा करने का धर्म था तो दूसरी ओर पूजा–पाठ, धर्म–कर्म, आचार–विचार। पुरषोत्तम ने राष्ट्रीय भावना के कर्तव्य भाव का पालन किया और व्यक्तिगत आचार–नियन्त्रण को खण्डित किया।

उत्तर 11. निन्दा की प्रवृति से बचने के लिये निरन्तर कर्मशील रहना आवश्यक है। निठल्ला व्यक्ति दूसरों की बुराई खोजने का समय निकाल लेता है। मन में ईर्ष्या और द्वेश की भावना नहीं आने देना चाहिए। ईर्ष्या और द्वेष से दूर रहना चाहिए। क्योकि ईर्ष्या और द्वेश संप्रेरित व्यक्ति निन्दक बन जाता है। अपने मन में किसी प्रकार की हीनता और कमजोरी नहीं आने देना चाहिए और अपने अंदर छुपी हुई क्षमताओ का विकास करना चाहिए। **5**

(अथवा)

साध्वी निवेदिता भारतीय स्त्रियों से प्रभावित थी क्योंकि भारतीय स्त्रियाँ लल्जाशील, विनम्र, स्वाभिमानी, सच्चरित्र, सेवा–भावी, निष्ठावान होती हैं। वे भारत को महान महिलाओं का देश कहती थीं। उन्हें भारत की महिलाओं में पत्नि की पवित्रता व पतिव्रता धर्म का पालन तथा माता में निःस्वार्थ ममता और स्नेह पूर्ण वात्सल्य एक साथ दिखाई देता था। साथ ही उन्हें महिलाओं में लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई के वीरतापूर्ण भाव भी भारत की महिलाओं में दिखाई देते थे।

उत्तर 12. जहाँ प्रत्यक्ष से अन्य की युक्ति लेकर कोई बात कही जाए वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है। **5**

मालि आवत् देखकर, कलियन करी पुकार।
फूले–फूले चुनि लिये, काल्हि हमारी बार।।

(अथवा)

रोला छंद– यह सम मात्रिक छंद है इसमें चार पंक्तियाँ होती हैं। एक

पंक्ति में दो चरण होते है। जिसकी प्रत्येक पंक्ति के प्रथम चरण में 11–11 व द्वितीय चरण में 13–13 मात्राएँ होती हैं। प्रत्येक पंक्ति में कुल चौबीस मात्राएँ होती हैं। अंत में दो गुरू होते हैं।

उदा.– करते अभिषेक पयोद हैं बलिहारी इस देश की।

हे मातृभूमि! तू सत्य ही सगुण मूर्ति सर्वेश की।।

उत्तर 13. (अ) मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग – **5**

(1) अत्यंत मूर्ख होना (2) खटकना

(3) नींद आना (4) लज्जित होना

विद्यार्थी मुहावरों का वाक्य में प्रयोग स्वविवेक से करेंगे।

(ब) (1) जिने पदों का पूर्वापद छंदों से कोई सम्बंध नहीं होता तथा इनमें कथात्मकता भी नहीं होती है उन्हें मुक्तक काव्य कहते हैं। ये कवि के विभिन्न विषयों पर मुक्त विचार होते है।

(अथवा)

(अ) वाक्य शुद्धिकरण

(1) उसने संतोष की सांस ली।

(2) मैं प्रमाण सहित कहता हूँ या मैं सप्रमाण कहता हूँ।

(3) कृपया तीन दिन का अवकाश देवे या प्रदान करें अथवा तीन दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

(ब) वीर रस का उदाहरण ''खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी'' या कोई भी अन्य वीर रस आधारित पंक्तियाँ छात्र स्वविवेक से लिखेगें।

उत्तर 14. लेखक का साहित्यक परिचय **5**

प्रेमचंद रचनाएँ – बूढ़ी काकी, पंचपरमेश्वर, बडे घर की बेटी, ईदगाह पूस की रात, कफन आदि।

भाषा और शैली– सरल, सहज, बोधगम्य भाषा भाषा में आकषर्ण अवसरानुकूल शब्दों का प्रयोग। मुहावरों–लोकोक्ति की अधिकता। परिचयात्मक, विचारात्मक, भावात्मक, विश्लेषणात्मक आदि, शैलियों का प्रयोग।

इनकी कहानियों में दीन–दुखियों, महिलाओं ग्रामीणों, उपेक्षितों का सजीव चित्रण

साहित्य में स्थान–उपन्यास सम्राट, युगप्रवर्तक कहानीकार के रूप में हिन्दी साहित्या काश में प्रतिष्ठित।

(अथवा)

वासुदेव शरण अग्रवाल –

रचनाएँ – उरज्योति, कला और संस्कृति, कल्पवृक्ष, मालिक मुहम्मद जायसी, पद्मावत पाणिनी कालीन भारत वर्ष,

पृथ्वी पुत्र, भारत की मौलिक एकता

भाषा–शैली – भाषा प्रौढ़ एवं मंजी हुई भाषा तत्सम प्रधान संस्कृत निष्ठ है। मुहावरों का एवं लाक्षणिकता का प्रयोग भाषा के मानक रूप का प्रयोग भाषा में स्पयत्ता, बोधगम्यता एवं प्रभावोत्पादकता पायी जाती है। विवरणात्मक एवं कथात्मक शैली में निबंध लिखे गये। इनके निबंधों में साहित्य, संस्कृति, एवं जनपदीय विषय मिलते है।

सहित्य में स्थान :– शुक्ल युग के प्रमुख निबंधकार है।

उत्तर 15. कवि परिचय – बिहारी – रचनाएँ – बिहारी सतसई **5**

भावपक्ष – श्रृंगार प्रियिता, अलंकार योजना अनुप्रास एवं श्लेष अलंकार में विशेष रूचि, कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक वर्णन प्रेम के अनेक पहलूओं का वर्णन करने में सिद्धहस्त श्रृंगार के दोनों पक्षों पर समान अधिकार से चित्रण प्रेम, भक्ति और नीति विषयक अनेक दोहे प्रसिद्ध है

साहित्य में स्थान – कम शब्दों में अधिक बात कहने की क्षमता रखने के कारण रीति कालीन कवियों में महत्वपूर्ण स्थान है इनके बारे में उक्ति प्रसिद्ध है

सतसैया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर।

देखन में छोटे लगें घाव करें गंभीर।।

दिनकर – रेणुका, हुकांर, रसवंती, कुरूक्षेत्र

भावपक्ष –कलापक्ष राष्ट्रीयता, मानवता, प्रेम और क्रंति के कवि है। तेजस्वी स्वर, शोषण के विरूद्ध क्रांति का आह्वान, गौरवशाली अतीत का गुणगान, निम्नवर्ग के प्रति सहानूभूति मुख्य विषय हैं।

अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग। राष्ट्रीयता की भावना, के प्ररवर गायक साहित्य में स्थान – हिन्दी काव्य जगत में राष्ट्रकवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

उत्तर 16. पद्यांश की व्याख्या – **5**

(1) मेरे ख्याल इतने .....झुलस गए हैं।

कविता – सोए हुए बच्चे से

कवि हरिनारायण व्यास

शिशु की कमनीयता जो सपने से भी ज्यादा खूबसूरत है तथा कोमल है का प्रसंग लेते हुए छात्र व्याख्या प्रस्तुत करेंगे। शब्द चयन के साथ–साथ भावों की सौन्द्रर्यानुभूति पर भी अंक दिए जाए।

(2) चिर सजग आँखे..... ओस गीले।

कविता – चिर सजग आँखेउनींदी आज कैसा व्यस्त बाना।

कवयित्री – महादेवी वर्मा

छात्र काव्यांश में आए कठिन शब्दों का सरल अर्थ लिखते हुए प्रतीकों को स्पष्ट करेंगे। पंक्तियों में छुपी भावव्यंन्जना, शब्दों में

छिपे प्रतीकार्थों को स्पष्ट करते हुए व्याख्या करेंगे। प्रस्तुतीकरण पर विवेक पूर्वक अंक प्रदान किए जाए।

उत्तर 17. गद्यांश की व्याख्या – **5**

(1) आधुनिकता 'सम्प्रदाय' का .....गतिशील कदम है।

पाठ – परंपरा बनाम आधुनिकता

लेखक – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

व्याख्या – छात्र 'सम्प्रदाय' 'आधुनिकता', गतिशील प्रक्रिया, आदि शब्दाशों के अर्थ को स्पष्ट करते हुए व्याख्या प्रस्तुत करेंगे। शब्द चयन एवं प्रस्तुतिकरण पर ध्यान देते हुए अंक दिए जाएँ।

(2) कृष्ण भारत वर्ष के लिए ..... तरह स्थित है।

पाठ – महापुरूष श्री कृष्ण

लेखक – वासुदेवशरण अग्रवाल

व्याख्या – छात्रों द्वारा कृष्ण के धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय चरित्र को महापुरूष के रूप में स्थापित करते हुए व्याख्या प्रस्तुत करेंगे।

शब्द चयन एवं उत्तम प्रस्तुतिकरण पर अंक दिए जाएँगे।

उत्तर 18. अपठित गद्यांश – ''प्रकृति पर मनुष्य का नियंत्रण'' एवं अन्य सटीक शीर्षक एवं सतुलित शब्दों में सार तथा स्वविवेकानुसार प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करने पर अंक दिए जाएँ। **5**

उत्तर 19. आवेदन पत्र अथवा पारिवारिक पत्र निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने पर अंक दिए जाएँगे। पत्र तीन भागों में विभाजित कर अंक योजना बनाई जाए – सम्बोधन –1 अंक, पत्र का मध्यभाग (विषयवस्तु) 3 अंक, समापन अथवा प्रार्थी का नाम, परिचय आदि पर 1 अंक प्रदान किया जाए। **5**

उत्तर 20. छात्रों द्वारा निबंध लेखन में शब्द चयन, आकर्षक प्रस्तुतिकरण, क्रमबद्धता, बिंदुवार विषय विस्तार, सूक्तियाँ, उदाहरण, विषयवस्तु पर मौलिक चिन्तन छात्र के स्वयं के मत तथा स्थान मुहावरे – लोकक्तियों का उचित प्रयोग, आदि का समावेश करने पर विवेकानुसार अंक दिए जाए। प्रस्तुतीकरण तथा प्रस्तावना में विषय प्रवेश से लेकर विषय विस्तार तथा उपसंहार में वैचारिक अन्तर्सम्बन्ध एवं क्रमबद्धता होना चाहिए। तदनुसार सार गर्भित निबंध लेखन पर छात्र को उचित अंक प्रदान किये जाएँ। **10**

——//——